

Hindi Murli Quiz 02-12-2015

Q.1) ___-बुद्धि और संस्कारों पर सम्पूर्ण राज्य करने वाले स्वराज्य अधिकारी बनो।

- मन
- man
- mun
- mann
- munn
- maan
- men
- menn

Q.2) Match the following

| | Choice | Match |
|---|---|---|
| A | वही अखबार वाला कभी देखो तो अच्छा डालेगा | कभी खराब क्योंकि वह भी सुनी-सुनाई पर चलते हैं ना। |
| B | सुनी-सुनाई पर बहुत चलते हैं | उसको परमत कहा जाता है। |
| C | परमत आसुरी मत हो गई। | बाप की है श्रीमत। |
| D | कोई ने उल्टी बात बताई तो | बस आना ही छोड़ देते हैं। |
| E | जो सर्विस पर रहते हैं | उन्हों को सब मालूम रहता है। |
| F | यहाँ तुम जो भी सेवा करते हो | यह है तुम्हारी नम्बरवन सेवा। |
| G | कर्तव्य तो यहाँ | बाप के साथ करते हो ना। |

Q.3) आत्मा के संबंध में कौन सी एक महीन बात महीन बुद्धि वाले ही समझ सकते हैं?

- A. ☒ यह बातें बड़ी महीन हैं, जो मोटी बुद्धि वाले समझ नहीं सकते।
- B. ☒ जितना जंक उतरती जायेगी उतना दूसरों को समझाने में खीचेंगे।
- C. ☒ जब जंक उतरे अर्थात् आत्मा तमोप्रधान से सतोप्रधान बनें तब बाप की खींच हो और वह बाप के साथ वापस जा सके।
- D. ☒ आत्मा पर सुई की तरह धीरे-धीरे जंक (कट) चढ़ती गई है। वह याद में रहने से उतरती जायेगी।

Q.4) तुमको कहते हैं यह तो शास्त्र को भी नहीं मानते। नास्तिक बन पड़े हैं। बोलो,.....

- A. ☐ शास्त्र तो हम पढ़ते थे फिर बाप ने ज्ञान दिया है।
- B. ☐ हम से अधिक शास्त्र तो किसी ने भी नहीं पढ़े।
- C. ☐ रावण ने भी तो शास्त्र पढ़े थे, तो क्या हुआ।
- D. ☐ हम तो तुम्हें सभी शास्त्रों का सार सुनाते हैं।

Q.5) Match the following

| | Choice | Match |
|---|--|--|
| A | ब्रह्मा बाप समान मास्टर दाता बनने के लिए | ईर्ष्या, घृणा और क्रिटिसाइज़-इन तीन बातों से मुक्त |
| B | सर्व के प्रति शुभचिंतक बनो और | शुभचिंतन स्थिति का अनुभव करो |
| C | जिसमें ईर्ष्या की अग्नि होती है | वे स्वयं जलते हैं, दूसरों को परेशान करते हैं |
| D | घृणा वाले खुद भी गिरते हैं | दूसरे को भी गिराते हैं |
| E | हंसी में भी क्रिटिसाइज करने वाले | आत्मा को हिम्मतहीन बनाकर दुःखी करते हैं |
| F | इन तीनों बातों से मुक्त रह शुभचिंतक स्थिति के अनुभव द्वारा | दाता के बच्चे मास्टर दाता बनो। |

Q.6) Match the following

| | Choice | Match |
|---|---------------------------------------|---------------------------|
| A | बाप हमको इतना ऊंच बनाते हैं | तो वह खुशी रहनी चाहिए ना। |
| B | कलियुग में कितना तमोप्रधान | बेसमझ बन पड़ते हैं। |
| C | जितना प्यार करो उतना | और ही सामना करते। |
| D | जो अच्छी रीति पढ़ेंगे, याद में रहेंगे | वह अच्छा पद पायेंगे। |

| | | |
|---|---------------------------|--------------------------------|
| E | सैपलिंग | भारत से ही लगता है। |
| F | दिन-प्रतिदिन अखबार आदि से | तुम्हारा नाम बाला होता जायेगा। |

Q.7) गपोड़ा भी बहुत लम्बा-चौड़ा लगाते हैं तो मनुष्य बिल्कुल अन्धियारे में सो गये हैं। तुम बताते हो बाकी थोड़ा समय है तो तुम्हारे पर कोई हंसी भी करते हैं। रीयल्टी में तो वह समझते हैं जो अपने को ब्राह्मण समझते हैं। यह नई भाषा, रूहानी पढ़ाई है ना। जब तक स्प्रिचुअल फादर न आये, कोई समझ न सके। स्प्रिचुअल फादर को तुम बच्चे जानते हो। वो लोग जाकर योग आदि सिखाते हैं, परन्तु उन्हीं को सिखलाया किसने? ऐसे तो नहीं कहेंगे स्प्रिचुअल फादर ने सिखाया।

- A. ☐ False
B. ☒ True

Q.8) आत्मा जो तमोप्रधान बनी है उसे सतोप्रधान बनना है, तमोप्रधान से तमो रजो सतो फिर सतोप्रधान बनना है। अगर बीच में गड़बड़ हुई तो

- A. ☒ कट चढ़ जायेगी।
B. ☐ भी पहले जितनी कट नहीं चड़ेगी |
C. ☐ बाप सम्भाल लेंगे |
D. ☐ माया का श्राप मिल जाएगा |

Q.9) कोई बड़े आदमियों से ओपनिंग भी इसलिए कराते हैं क्योंकि नामीग्रामी हैं। आवाज फैलेगा वाह! प्रेजीडेंट, प्राइम मिनिस्टर ने ओपनिंग की। यह बाबा जाये तो मनुष्य थोड़ेही समझेंगे परमपिता परमात्मा ने ओपनिंग की, मानेंगे नहीं। कोई बड़ा आदमी कमीशनर आदि आयेगा तो उनके पीछे और भी भागेंगे। इनके पीछे तो कोई नहीं भागेगा। अभी तुम ब्राह्मण बच्चे तो बहुत थोड़े हो। जब मैजारिटी होंगे तब समझेंगे। अभी अगर समझ जायें तो बाप के पास भागें। एक ने बच्ची को कहा था कि जिसने तुमको यह सिखाया हम डायरेक्ट क्यों न उनके पास जायें।

- A. ☒ True
B. ☐ False

Q.10) भगवानुवाच, वेद-उपनिषद आदि पढ़ने, दान-पुण्य आदि करने से कोई भी मेरे को प्राप्त नहीं करते। मेरे द्वारा ही मेरे को प्राप्त कर सकते हैं।

- A. ☐ False
B. ☒ True